ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३६
दिनांक- शुक्रवार, २५ मई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.६ एवं २६.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ सुबह में एवं दोपहर में ६६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ८.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.४ एवं दोपहर में ३४.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२६ से ३० मई,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २६ से ३० मई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल देखें जा सकते हैं। पूर्वानुमानित अवधि में गोपालगंज, सारण, सिवान, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली जिलों में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी तथा पूर्वी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी एवं बेगुसराय जिलों में अगले दो-तीन दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की संभावना है, उसके बाद इन जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी जिलों में २८ से ३० मई के बीच वर्षा होने की संभावना है।
- ३० मई तक अधिकतम तापमान ३५ से ३७ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १५ से २० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में सापेक्ष आर्द्रता की मात्रा अधिक रहने की संभावना है। सुबह में करीब ७५ से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ४५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- किसान भाई धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। १० जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। १० से २५ जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोने के लिए अनुकूल समय है। जो किसान धान की सीधी बुआई करना चाहते है, वे लम्बी अवधि वाले धान की किस्म की बुआई अगले सप्ताह में कर सकते हैं, इसके लिए उनके पास सिंचाई की उचित व्यवस्था हो।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में २० जून से १० जुलाई तक बोने के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है
- हरा चारा के लिए मक्का, ज्वार, बाजरा तथा लोबिया की बुआई करें। हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के लिए खेत की तैयारी कर इसकी बुआई करें । खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। शक्तिमान-१, शक्तिमान- २, शक्तिमान- ३, शक्तिमान- ४, शक्तिमान- ५, राजेन्द्र शंकर मक्का- ३ तथा सुवान, देवकी आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं
- मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर घोल बनाकर सुबह अथवा शाम के वक्त छिड़काव करें।
- इस मौसम में लतीदार सब्जियों की फसल जैसे कद्दु, नेनुआ, करैला, खीरा में न्युनतम नमी बनाए रखें। अन्यथा फसल की पुष्पन एवं परागन क्रिया प्रभावित हो सकती है, फलस्वरुप उत्पादन में कमी आ सकती है। लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरफाँस ७६ ई०सी० दवा को १ मि०ली० प्रति ली० पानी में घोल कर लत्तर वाली सब्जियों में छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.६ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २५.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी